इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

शिक्षा विद्यापीठ

स्नातकोत्तर कला (शिक्षा) एम.ए.ई.डी.यू.

द्वितीय वर्ष

नियतकार्य – जनवरी और जुलाई 2025

कृप्या ध्यान दें :

अ)विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे स्वयं द्वारा लिये गये विकल्प के विशिष्ट क्षेत्र से नियतकार्यों का चयन करें।

ब) नियतकार्यों के प्रत्युत्तर (ए आर) अपने कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र के कार्यक्रम प्रभारी के पास स्वयं जमा कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक से प्रेषित कर सकते हैं।

ब)आप को अपने हित में सभी नियतकार्यों की एक–एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखनी चाहिए।

विशिष्ट क्षेत्र : उच्च शिक्षा

एम.ई.एस.–101उच्च शिक्षा : इसका सन्दर्भ एवं सम्बन्ध

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नोंके उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. वैश्वीकरण और कृत्रिम बुद्धि (ए.आई.) जैसी उभरती हुई प्रवृत्तियों के सन्दर्भ में उच्च शिक्षा के उद्देश्यों की परिचर्चा कीजिए।

(कृ.पृ.उ.)

2. उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन के लिए आवश्यकता की समीक्षात्मक परिचर्चा कीजिए।

3. 'साम्य (निष्पक्षता) शिक्षणशास्त्र' (इक्विटी पेडागॉजी) से क्या आशय है? विषयवस्तु एकीकरण और साम्य (निष्पक्षता) शिक्षणशास्त्र (इक्विटी पेडागॉजी) विविधता की चुनौतियों को किस प्रकार सम्बोधित कर सकते हैं? परिचर्चा कीजिए। किसी विषय का उदाहरण दीजिए।

एम.ई.एस.–102: उच्च शिक्षा में निर्देशन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. निर्देशनात्मक प्रणाली (इन्स्ट्रक्शनल सिस्टम) क्या है? एक निर्देशनात्मक प्रणाली विकसित करने के लिए आप किन कदमों का पालन करेंगे? सोदाहरण वर्णन कीजिए।

2. वे कौन सी सामान्य त्रुटियाँ हैं जो एक कक्षाकक्ष व्याख्यान को अप्रभावी बनाती हैं? उच्च शिक्षा का एक शिक्षक अपने कक्षाकक्ष व्याख्यान को किस प्रकार प्रभावी बना सकता/सकती हैं? परिचर्चा कीजिए।

3. एक मूल्यांकन उपकरण की महत्वपूर्ण विशेषताओं की संक्षेप में परिचर्चा कीजिए।

एम.ई.एस.–103 : उच्च शिक्षा : मनो–सामाजिक सन्दर्भ

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. व्यक्तित्व के अर्थ और घटकों की व्याख्या कीजिए। मानव व्यक्तित्व के विकास को प्रभावित करने वाले कारकों की संक्षेप में परिचर्चा कीजिए।

2. अभिप्रेरणा की अवधारणा और प्रकारों की व्याख्या कीजिए। उच्च शिक्षा का एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा को किस प्रकार बढ़ा सकता है/सकती है। परिचर्चा कीजिए।

3. अधिगम से क्या तात्पर्य है? मानव अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकों की संक्षेप में परिचर्चा कीजिए।

एम.ई.एस.–104 : उच्च शिक्षा का नियोजन एवं प्रबन्धन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. एक परम्परागत प्रकार के विश्वविद्यालय की संस्थापना प्रक्रिया और निधीयन प्रणाली की परिचर्चा कीजिए।

2. पाठ्यचर्या विकसित करने से पूर्व वे कौन से मूलभूत मुद्दें हैं जिनका परीक्षण करने की आवश्यकता है? उदाहरण देते हुए किन्हीं दो मुद्दों की परिचर्चा कीजिए।

3. एक शिक्षक के रूप में आप को एक कार्यक्रम का मूल्यांकन करना है जिसका कि आप शिक्षण करते है। मूल्यांकन प्रश्नों की एक सूची तैयार

कीजिए जिसे कि आप बनायेंगे और प्रश्नों का प्रयोग करने के लिए विधियाँ सुझाइये।

विशिष्ट क्षेत्र : दूरस्थ शिक्षा
(संशोधित)

एम.ई.एस.–211: दूरस्थ शिक्षा का विकास और दर्शन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. मुक्त विश्वविद्यालय के योगदान पर बल देते हुए इंग्लैंड में दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

2. मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा को एक सामाजिक व्यवहार (सोशल प्रैक्टिस) के रूप में क्यों माना जाता है? विद्यार्थियों के वैयक्तिक संदर्भ के लिए सामान्य शैक्षिक संवाद (एकेडेमिक डिस्कोर्स) और शिक्षा के आलोक में अपने उत्तर को न्यायोचित ठहराइये।

3. सर्वांगी/प्रणालीगत मुद्दों (सिस्टेमिक इशूज़) : माध्यम (मीडिया), विधि और प्रयुक्त प्रौद्योगिकी और पाठ्येत्तर मुद्दों के विशेष सन्दर्भ में प्रत्यक्ष और मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम में अन्तर का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

एम.ई.एस.–212 : निर्देशनात्मक डिज़ाइन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. निर्देशनात्मक डिज़ाइन की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम प्रणाली में प्रयोग किये जाने वाले निर्देशनात्मक डिज़ाइन के ए.डी.डी.आई.ई. (ADDIE) उपागम को संक्षेप में सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

2. मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम प्रणाली में प्रयोग की जाने वाली स्व–अधिगम सामग्रियों (एस.एल.एम.) के प्रारूप का वर्णन कीजिए।

3. सामाजिक अधिगम सिद्धान्त की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। सामाजिक अधिगम सिद्धान्त के अनुसार मानव अधिगम किस प्रकार घटित होता है? सोदाहरण परिचर्चा कीजिए।

एम.ई.एस.–213 : शिक्षार्थी सहायता प्रणालियाँ और सेवायें

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षार्थी सहायता सेवाओं की प्रकृति और प्रकार्यों को निर्धारित करने वाले कारकों की व्याख्या कीजिए।

2. कैन्डी की चतुर्आयामी प्रतिमान (कैन्डीज़ फोर डाइमेन्शनल मॉडल) और गैरिसन के त्रि–आयामी प्रतिमान (गैरिसन्स थ्री डाइमेन्शनल मॉडल) के विशेष सन्दर्भ में स्व–निर्देशित अधिगम (सेल्फ–डाइरेक्टेड लर्निंग) की व्याख्या कीजिए।

3. मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम प्रणाली में प्रयोग की जाने वाली विभिन्न प्रकार की अनुशिक्षक टिप्पणियों का परीक्षण कीजिए और ये टिप्पणियाँ शिक्षार्थियों को उनकी ज्ञान की रचना में किस प्रकार सहायता करती हैं?

एम.ई.एस.–214 : दूरस्थ शिक्षा का प्रबन्धन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. भारतीय उच्च शिक्षा पद्धति में गुणवत्ता और उत्कृष्टता के सरोकारों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। उदाहरण दीजिए।

2. दूरस्थ शिक्षा की ध्वनि व्यवस्था (साउंड सिस्टम) को सुव्यवस्थित करते समय किन महत्वपूर्ण तत्वों को ध्यान में रखना चाहिए? परिचर्चा कीजिए।

3. दक्षिण अफ्रीका विश्वविद्यालय (यू.एन.आई.एस.ए.) किस प्रकार प्रथम पीढ़ी के दूरस्थ शिक्षा विश्वविद्यालय से एक आधुनिक ओ.डी.एल. प्रदाता में परिवर्तित हो गया है? संक्षेप में परिचर्चा कीजिए।

एम.ई.एस.– 215 : शैक्षिक संचार प्रौद्योगिकियाँ

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. शैक्षिक संचार से क्या तात्पर्य है ? दूरस्थ शिक्षक और दूरस्थ शिक्षार्थी के मध्य शैक्षिक संचार किस प्रकार घटित होता है? वर्णन कीजिए।

2. ई–अधिगम के अर्थ की व्याख्या कीजिए। ई–अधिगम वातावरण के लिए निर्देशन किस प्रकार डिज़ाइन किया जा सकता है? वर्णन कीजिए।

3. अन्तः क्रियात्मक बहु–माध्यम (इन्टरैक्टिव मल्टीमीडिया) क्या है? दूरस्थ शिक्षा के लिए एक प्रभावी बहु–माध्यम पैकेज (मल्टीमीडिया पैकेज) के डिज़ाइन करने की प्रक्रिया का संक्षेप में सोदाहरण वर्णन कीजिए।

विशिष्ट क्षेत्र : दूरस्थ शिक्षा

(असंशोधित)

एम.ई.एस.–111 : दूरस्थ शिक्षा का विकास और दर्शन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिएः

1. 'शिक्षार्थी स्वायत्तता' के विशेष सन्दर्भ में दूरस्थ शिक्षा पद्धति में मिखाइल मूरे (Michael Moore) के 'स्वतंत्र अध्ययन' के विचार की परिचर्चा कीजिए।

2. ''दूरस्थ शिक्षा : एक प्रभावी और सार्थक रणनीति'' कथन को न्यायोचित ठहराइये। कथन के पक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत कीजिए।

3. अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर व्यापक रूप से फैली दूरस्थ शिक्षा पर फोकस करते हुए इसकी (दूरस्थ शिक्षा की) उत्पत्ति का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

एम.ई.एस.–112 : स्व–अधिगम मुद्रित सामग्रियों का डिज़ाइन एवं विकास

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. विभिन्न क्षेत्रों (डोमेन) जिनमें विविध प्रकार के अधिगम प्रतिफल शामिल हैं, के विशेष सन्दर्भ में अधिगम प्रतिफलों की वर्गिकी (टैक्सोनामी ऑफ लर्निंग आउटकम्स) का वर्णन कीजिए।

2. एक इकाई की मूल विशेषताओं की परिचर्चा कीजिए और स्व–अधिगम सामग्रियों को डिज़ाइन करते समय इन विशेषताओं को क्यों महत्वपूर्ण माना जाता है? व्याख्या कीजिए।

3. दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षा में गुणवत्ता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। दूरस्थ शिक्षा पद्धति में स्व–अधिगम सामग्रियों के गुणवत्ता आश्वासन में प्रयोग किये जाने वाले निर्देश चिन्हों (बेंचमार्क) का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

एम.ई.एस.–113 : शिक्षार्थी सहायता सेवायें

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. ‘‘अध्ययन कौशल‘‘ की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षण एवं अधिगम की प्रक्रिया में प्रयोग किये जाने वाले विभिन्न प्रकार के अध्ययन कौशलों की परिचर्चा कीजिए।

2. दूरस्थ शिक्षा पद्धति में विद्यार्थियों द्वारा सामना की जा रही अधिगम और अन्य शैक्षिक कठिनाइयों को सम्बोधित करने के लिए एक परामर्शदाता के कौशलों की परिचर्चा कीजिए।

3. मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम प्रणाली में प्रयोग की जाने वाली विभिन्न प्रकार की अनुशिक्षक टिप्पणियों का परीक्षण कीजिए और शिक्षार्थियों के ज्ञान की रचना के लिए किन प्रकार की अनुशिक्षक टिप्पणियाँ सहायता करती हैं और किस प्रकार?

एम.ई.एस.–114 : **दूरस्थ शिक्षा का प्रबन्धन**

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिएः

1. एक शैक्षिक संस्था में प्रशासन के प्रबन्धन का संक्षेप में वर्णन कीजिए। शैक्षिक संस्था के प्रशासन के प्रबन्धन करते समय संस्था प्रमुख किन चुनौतियों का सामना करता है? परिचर्चा कीजिए।

2. एक दूरस्थ शिक्षा संस्था के वित्तीयन का प्रबन्धन किस प्रकार किया जाता है? संक्षेप में परिचर्चा कीजिए।

3. इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (आई.जी.एन.ओ.यू.) द्वारा अनुपालन किये जा रहे दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों को विकसित करने और वितरित करने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

एम.ई.एस.–115 : दूरस्थ शिक्षा के लिए संचार प्रौद्योगिकी

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. दूरस्थ शिक्षा में संचार प्रौद्योगिकियों के प्रयोग का वर्णन कीजिए।

2. एक वीडियो आलेख (वीडियो स्क्रिप्ट) क्या है? एक वीडियो कार्यक्रम का आलेख लिखते समय आप किन चरणों का अनुपालन करेंगे? सोदाहरण वर्णन कीजिए।

3. श्रव्य, दृश्य–श्रव्य कार्यक्रम (ऑडियो–वीडियो प्रोग्राम) के उत्पादन के लिए स्टूडियो तैयार करने की प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

विशिष्ट क्षेत्र : शैक्षिक प्रौद्योगिकी

(संशोधित)

एम.ई.एस.–131 : शैक्षिक प्रौद्योगिकी : एक विहंगावलोकन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) के अर्थ की व्याख्या कीजिए। आई.सी.टी. के प्रयोग से सम्बद्ध मुद्दों और सरोकारों की परिचर्चा कीजिए।

2. संस्कृति को सक्षम बनाना/ सक्षम संस्कृति (इनेबलिंग कल्चर) के अर्थ की व्याख्या कीजिए। एक शैक्षिक संस्था का नेता प्रौद्योगिकी की

सहायता से सक्षम संस्कृति का निर्माण/ सक्षम संस्कृति (इनेबलिंग कल्चर) का सृजन किस प्रकार कर सकता है? परिचर्चा कीजिए।

3. शिक्षार्थी स्वायत्तता का क्या अर्थ है? इसकी क्या विशेषतायें हैं? शिक्षक शैक्षिक संस्थाओं में शिक्षा में शिक्षार्थी स्वायत्तता को किस प्रकार प्रोत्साहित कर सकते हैं? परिचर्चा कीजिए।

एम.ई.एस.–132 : शिक्षा में कम्प्यूटर

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. साइबर धमकी (साइबर बुलिंग) और साइबर उत्पीड़न (साइबर हरैसमेन्ट) से आप क्या समझते हैं? ऑनलाइन शिकारियों (ऑनलाइन प्रिडेटर) के लिए हम किस प्रकार सतर्क हो सकते हैं?

2. माध्यमिक विद्यालय स्तर पर समावेशी कक्षाकक्षों में आई.सी.टी. के प्रयोगों की उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

3. अपने विषय से एक शीर्षक का चयन कीजिए। सार्वभौमिक डिज़ाइन अधिगम (यू.डी.एल.) के सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए आप किस प्रकार एक पाठ की योजना बनायेंगे और उसे पूरा करेंगे? लिखिये। उपयुक्त उदाहरण दीजिए।

एम.ई.एस.–133 : शैक्षिक प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी का चयन और एकीकरण

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. मुक्त शिक्षा संसाधनों (ओ.ई.आर.) से क्या अर्थ है? विभिन्न प्रकार के ओ. ई. आर. और क्रिएटिव कामन लाइसेंसों की व्याख्या कीजिए।

2. शिक्षार्थियों के आकलन के लिए प्रयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकियों/उपकरणों की परिचर्चा कीजिए।

3. आप एक प्रौद्योगिकी मध्यस्थ (टेक्नोलॉजी मीडिएटेड) अधिगम स्थान (लर्निंग स्पेस) का संगठन और प्रबन्धन किस प्रकार करेंगे? अपने विचार और योजनायें दीजिए।

एम.ई.एस.–134: पाठ्यसामग्री की रूपरेखा, विकास और वितरण

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. ऑनलाइन निर्देशनों के वितरण के किन्हीं दो साधनों (मीनस्) का वर्णन कीजिए।

2. अधिगम डिज़ाइन (लर्निंग डिज़ाइन) से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

3. एक शीर्षक का चयन कीजिए जिसे कि आप वीडियो कार्यक्रम का प्रयोग करके पढ़ाना चाहेंगे। वीडियो कार्यक्रम के लिए एक आलेख (स्क्रिप्ट) और आरेखण दृश्य (स्टोरी बोर्ड) लिखिए।

विशिष्ट क्षेत्र : शैक्षिक प्रौद्योगिकी

(असंशोधित)

एम.ई.एस.–031 ई.टी. : एक विहंगावलोकन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. शैक्षिक प्रौद्योगिकी को परिभाषित कीजिए। शैक्षिक प्रौद्योगिकी किस प्रकार विविध प्रकार के अधिगम की सहायता करने के लिए विकसित हुई है? वर्णन कीजिए।

2. अधिगम वातावरण के अर्थ और प्रकारों की व्याख्या कीजिए। प्रौद्योगिकी किस प्रकार इन प्रत्येक अधिगम वातावरणों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं? सोदाहरण परिचर्चा कीजिए।

3. प्रणाली (सिस्टम) का क्या अर्थ है? निर्देशन के प्रणाली उपागम का प्रयोग करते हुए कक्षाकक्ष निर्देशन किस प्रकार डिज़ाइन और विकसित किया जा सकता है? सोदाहरण वर्णन कीजिए।

एम.ई.एस.–032 : संचार और सूचना प्रौद्योगिकी

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. अधिगम से आप क्या समझते हैं? अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकों की परिचर्चा कीजिए।

2. एक वीडियो कार्यक्रम के उत्पादन में शामिल चरणों की व्याख्या कीजिए।

3. अपने शिक्षण में आप प्रौद्योगिकी को किस प्रकार एकीकृत करेंगे। अपनी योजनायें दीजिए।

एम.ई.एस.–033 : कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. दस्तावेज़ों के बनाने और साझा करने के लिए कम्प्यूटर के प्रयोग की परिचर्चा कीजिए।

2. & # 39, एनीमेशन & # 39 (animation & # 39) शब्दोंकी व्याख्या कीजिए, शिक्षा में इसके प्रयोग का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

3. आप को एक विद्यालय के लिए वेबसाइट की योजना बनाने की आवश्यकता है। वेबसाइट पर रखने के लिए आप किस सूचना और

सेवाओं को किराये पर लेंगे? वेबसाइट के माध्यम से आप शिक्षकों और विद्यार्थियों के मध्य अन्तःक्रिया को किस प्रकार सहज बनायेंगे?

एम.ई.एस.–034 : पाठ्यसामग्री का रूपरेखा निर्माण

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिएः

1. ऑनलाइन अधिगम क्या है? ऑनलाइन अधिगम की विशेषताओं की परिचर्चा कीजिए।

2. कोर्सवेयर मूल्यांकन के अर्थ और महत्व की व्याख्या कीजिए।

3. शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में ऑडियो और वीडियो कार्यक्रमों के लाभ और हानियों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

विशिष्ट क्षेत्र : शैक्षिक प्रबन्धन

एम.ई.एस.–041 : शैक्षिक प्रबन्धन की वृद्धि और विकास

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिएः

1. शैक्षिक प्रबन्धन के सिद्धान्तों और तकनीकों की परिचर्चा कीजिए।

2. यू.एस.ए. और चीन की शैक्षिक पद्धति का तुलनात्मक चित्रण प्रस्तुत कीजिए।

3. भारत में निरौपचारिक शिक्षा (नॉन–फॉर्मल एजूकेशन) के प्रबन्धन में कौन से मुद्दे हैं? उन्हें सम्बोधित करने के कुछ उपाय सुझाइये।

एम.ई.एस.–042 : शैक्षिक प्रबन्धन के आयाम

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. विद्यालय शिक्षा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.पी.ई., 1986) के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी., 2020) की संस्तुतियों की तुलना कीजिए।

2. जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.) और सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए.) के मध्य प्रमुख भिन्नताओं का सविस्तार प्रतिपादन कीजिए।

3. प्रारंभिक शिक्षा को बल प्रदान करने और उसे बढ़ाने में पंचायती राज संस्थाओं (पी.आर.आई.) की विशिष्ट भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों की परिचर्चा कीजिए।

एम.ई.एस.–043 : संगठनात्मक व्यवहार

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. निर्णयन (डिसीजन मेकिंग) के विविध प्रतिमानों (मॉडल) को सूचीबद्ध कीजिए। शैक्षिक प्रबन्धन में उनकी उपयुक्तता /पर्याप्तता पर फोकस करते हुए किन्हीं दो प्रतिमानों की परिचर्चा कीजिए।

2. प्रभावी संचार के अर्थ की व्याख्या कीजिए। अपनी संस्था में संचार को प्रभावी बनाने में सहायक विविध संचार उपागमों की परिचर्चा कीजिए।

3. एक शैक्षिक पद्धति में इनपुट संकेतकों के अन्तर्गत विविध श्रेणियों का वर्णन कीजिए। आप के संगठन में इनपुट संकेतकों के अन्तर्गत किसी संचार की प्रभाविता को प्रभावित करने वाले कारकों की परिचर्चा कीजिए। संभावित निदानात्मक उपाय सुझाइये।

एम.ई.एस.–044 :सांस्थानिक प्रबन्धन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. पाठ्यचर्या संव्यवहार की समूह केन्द्रित विधियों का सोदाहरण समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

2. परम्परागत शिक्षा पद्धति द्वारा प्रदत्त विद्यार्थी सहायक सेवाओं की मुक्त शिक्षा पद्धति से तुलना कीजिए। परम्परागत और मुक्त शैक्षिक पद्धति दोनों के लिए आप अन्य कौन सी पद्धतियाँ प्रस्तुत करना चाहेंगे?

3. शैक्षिक संस्थाओं द्वारा अनुपालन किये जा रहें विभिन्न प्रकार के बजटों और उनके प्रकार्यों का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए। सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

विशिष्ट क्षेत्र : प्रौढ़ शिक्षा

एम.ए.ई.–001 : प्रौढ़ शिक्षा की समझ

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. स्वतन्त्रता के पश्चात् भारत में प्रौढ़ शिक्षा के नीति–निर्देशन में घटित होने वाले प्रमुख परिवर्तनों को उजागर कीजिए।

2. समाजिक और समुदाय संघटन/ आन्दोलनों में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका की परिचर्चा कीजिए।

3. प्रशिक्षण, शिक्षण और शिक्षा के मध्य आप किस प्रकार अंतर करते हैं? प्रौढ़ शिक्षा में प्रशिक्षण विधियों के रूप में मस्तिष्कोद्वेलन (ब्रेनस्टार्मिंग) और चर्चा सत्रों की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए।

एम.ए.ई.–002 : भारत में प्रौढ़ शिक्षा का नीति नियोजन एवं कार्यान्वयन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. प्रौढ़ और सतत् शिक्षा और विस्तार के उन्नयन में महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की भूमिका की परिचर्चा कीजिए।

2. प्रौढ़ शिक्षा में प्रशिक्षण संचालित करते समय ध्यान रखने योग्य बातें (विचार) कौन सी हैं? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा उनकी व्याख्या कीजिए।

3. भारत में प्रौढ़ शिक्षा द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों को उजागर कीजिए और इन चुनौतियों को कम करने के उपाय सुझाइये।

एम.ए.ई.–003 : प्रौढ़ शिक्षा में ज्ञान प्रबन्धन, सूचना प्रसार और नेटवर्किंग

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. ग्रामीण क्षेत्रों में प्रौढ़ अधिगम व्यवस्था में ज्ञान प्रबन्धन के महत्व की व्याख्या कीजिए। सूचना के विभिन्न क्षेत्रों के साथ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए जिन्हें कि आप प्रौढ़ अधिगम के लिए अत्यावश्यक समझते हैं।

2. कम्प्यूटर नेटवर्किंग की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। कम्प्यूटर नेटवर्किंग के विभिन्न घटकों और इसके प्रकार्यों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. बातचीत सामान्यता वैकल्पिक विवाद समाधान का रूप माना जाता है। प्रौढ़ शिक्षा में प्रयोग की जाने वाली बातचीत की प्रक्रिया की व्याख्या

करते हुए कथन का उपयुक्त उदाहरणों द्वारा समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

एम.ए.ई.–004 : विस्तार शिक्षा और विकास

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. विस्तार क्या हैं? विस्तार के घटक कौन से हैं? विस्तार प्रक्रिया में शामिल सोपानों को लिखिए।

2. विकास में विषमताओं की अवधारणा और महत्व की व्याख्या कीजिए।

3. विस्तार और विकास में जनशक्ति नियोजन और कार्मिक प्रबन्धन किस प्रकार सहायता करते हैं? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए।

****